



उत्तराखण्ड नेशनल गेम्स 2025 के समय मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों की चिंता एवं दबाव पर माइंड डिटॉक्स ध्वनि चिकित्सा का प्रभाव

भारत सिंह बाँधेवाल* | प्रो. राजेश कुमार कस्वा²

¹शोधार्थी, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर।

²प्रोफेसर, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर।

*Corresponding author: bharatmallakhamb@gmail.com

Citation: बाँधेवाल, भारत एवं कस्वा, राजेश. (2025). ब्रिटिश शासन काल में भारत में महिलाओं की स्थिति और उनके सुधार हेतु किए गए प्रयास. *International Journal of Academic Excellence and Research*, 01(04), 102–111.

सार: एथलीटों की चिंता एवं दबाव पर माइंड डिटॉक्स ध्वनि चिकित्सा का प्रभाव खेल मनोविज्ञान और नेतृत्व का एक उभरता हुआ क्षेत्र है। इस अध्ययन का उद्देश्य उत्तराखण्ड नेशनल गेम्स 2025 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के अवसाद और प्रतिस्पर्धी खेलों के मनोविज्ञान में सुधार हेतु एक हस्तक्षेप के रूप में माइंड डिटॉक्स ध्वनि चिकित्सा की प्रभाव शीलता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से एथलीटों में चिंता और दबाव पर ध्वनि चिकित्सा के प्रभावों की जाँच करना था। प्रयोग और प्रदर्शन एकीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से, यह अध्ययन इस बात की बेहतर समझ प्रदान करना चाहता है कि ध्वनि चिकित्सा एथलीटों में चिंता और दबाव को कैसे कम करती है। सिंगिंग बाउल, गोंग और घंटियों जैसे वाद्य यंत्र, मंत्र जाप का इस्तेमाल योग परंपरा में बड़े पैमाने पर किया जाता है यह विश्राम और भावनात्मक संतुलन पर ध्यान केंद्रित करने को बढ़ावा दे सकते हैं। इस अध्ययन में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण का उपयोग किया गया जिसमें विभिन्न विषयों के एथलीटों को एक ऐसे समूह में रखा गया जिसे ध्वनि चिकित्सा दी गई या एक नियंत्रण समूह जिसे कोई हस्तक्षेप नहीं दिया गया। अध्ययन 6 सप्ताह तक चला, जिसमें प्रायोगिक समूह के प्रतिभागियों को हर दूसरे सप्ताह ध्वनि चिकित्सा दी गई। हस्तक्षेप से पहले और बाद में तनाव के मात्रात्मक मापों का मूल्यांकन स्ट्रेस स्केल (एसएस) का उपयोग करके किया गया। एसएस भावनात्मक तनाव के बारे में जानकारी प्रदान करता है और तनाव के बायोमार्कर के रूप में कार्य करता है। इन मापों के अलावा, प्रतिभागियों ने समय के साथ मनोदशा में बदलाव को मापने के लिए मूड स्टेट्स इन्वेंटरी और एंग्जाइटी स्केल सहित मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी पूरे किए। ध्वनि चिकित्सा और नियंत्रण समूहों के प्रतिभागियों द्वारा भरी गई प्रश्नावली से आँकड़े एकत्र किए गए। साक्षात्कार व्यक्तिगत अनुभवों का पता लगाने और चिंता, दबाव एवं सामान्य स्वास्थ्य पर ध्वनि चिकित्सा के प्रभाव को समझने के लिए तैयार किए गए थे। निष्कर्षों के पूरक के रूप में, विश्राम, मानसिक स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक चिकित्सा के लाभों जैसे विषयों की समीक्षा की गई। अतिरिक्त आँकड़े इन निष्कर्षों का समर्थन करते हैं, जहाँ एथलीटों ने ध्वनि चिकित्सा के बाद बेहतर विश्राम, बेहतर मनोदशा और बेहतर समझ और खेल प्रदर्शन सकारात्मक बदलाव की सूचना दी। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उपचार बेहतर समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य और बेहतर चिंता, तनाव प्रबंधन से जुड़ा है। निष्कर्ष बताते हैं कि मनोरंजन सुविधाओं में चिंता, तनाव प्रबंधन के लिए संगीत चिकित्सा एक प्रभावी सहायक हो सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह एथलीटों को चिंता, दबाव कम करने एवं दक्षता में वृद्धि के लिए उपयोगी उपकरण प्रदान करती है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य और प्रदर्शन में संभावित रूप से सुधार होता है। हालाँकि, अध्ययन उन सीमाओं को स्वीकार करता है जो समग्र निष्कर्षों को प्रभावित कर सकती हैं, जैसे कि छोटा नमूना आकार और हस्तक्षेप की छोटी अवधि। यह शोध चिंता, तनाव प्रबंधन के वैकल्पिक उपचारों का

समर्थन करने वाले बढ़ते प्रमाणों में योगदान देता है। यह एथलीटों की दैनिक देखभाल में ध्वनि चिकित्सा को शामिल करने के लाभों पर प्रकाश डालता है और दीर्घकालिक लाभों और सकारात्मक विचारों का पता लगाने के लिए आगे के शोध की सिफारिश करता है। खेल के माहौल में ध्वनि चिकित्सा को शामिल करने से एथलीटों की चिंता एवं दबाव से राहत, मानसिक स्वास्थ्य और प्रदर्शन में सुधार हो सकता है।

Article History:

Received: 28 November, 2025

Accepted: 17 December, 2025

Published: 31 December, 2025

शब्दकोश:

एथलीट, माइंड डिटॉक्स, ध्वनि चिकित्सा, मंत्र जाप, चिंता, दबाव, पैमाना, सूची।

प्रस्तावना

आज के डिजिटल और सोशल मीडिया के इस युग में इंसान भीतर थका हुआ है। यह शारीरिक रूप से एक जगह होता है, लेकिन मानसिक रूप से कहीं और भटक रहा होता है।

चिंता एवं दबाव दो प्रकार के मानसिक तनाव हैं जो किसी व्यक्ति को अपने काम, जिम्मेदारियों, या भविष्य के बारे में चिंतित करते हैं।

तनाव मानव जीवन का एक व्यापक तत्व है, जो हमारे शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को गहन रूप से प्रभावित करता है। यह रोजमर्रा की जिंदगी की माँगों, दबावों और चुनौतियों से उत्पन्न होता है, और सभी आयु वर्गों, संस्कृतियों और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को प्रभावित करता है।

मध्यप्रदेश शासन के खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश के खिलाड़ियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में विशेष प्रशिक्षण कैंप आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न खेलों के प्रतिभागी सम्मिलित थे, खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन को लेकर काफी दबाव था। यह देश का सबसे प्रतिष्ठित खेल महोत्सव है जिसकी मैडल टैली से प्रदेश की रैंकिंग तय होती हो ऐसी प्रतियोगिताओं के समय खिलाड़ियों के मानसिक तनाव, चिंता का स्तर बड़ जाता है। खेल के माहौल में ध्वनि चिकित्सा को शामिल करने से एथलीटों की चिंता एवं दबाव से राहत, मानसिक स्वास्थ्य और प्रदर्शन में सुधार हो सकता है।

चिंता

- चिंता एक प्रकार का मानसिक तनाव है जो किसी व्यक्ति को अपने काम, जिम्मेदारियों, या भविष्य के बारे में चिंतित करता है।
- इसके लक्षणों में शामिल हो सकते हैं: चिंता और तनाव, नींद की कमी, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, शारीरिक लक्षण जैसे कि हृदय की धड़कन, पसीना आना, और तनावग्रस्त मांसपेशियां।

दबाव

- दबाव एक प्रकार का मानसिक तनाव है जो किसी व्यक्ति को अपने काम, जिम्मेदारियों, या भविष्य के बारे में दबाव महसूस कराता है।
- इसके लक्षणों में शामिल हो सकते हैं: तनाव, चिंता, नींद की कमी, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, शारीरिक लक्षण जैसे कि हृदय की धड़कन, पसीना आना, और तनावग्रस्त मांसपेशियां।

चिंता एवं दबाव के कारण

- काम का दबाव
- पारिवारिक समस्याएं
- आर्थिक समस्याएं
- स्वास्थ्य समस्याएं

- समाजिक दबाव
- तीव्र तनाव।
- दीर्घ कालिक तनाव।
- एपिसोडिक तीव्र तनाव।
- चिंताजनक तनाव।

तनाव के शारीरिक तंत्र

दबाव के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया में जटिल शारीरिक तंत्र शामिल होते हैं, जो संसाधनों को जुटाने और कार्रवाई के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। जब किसी तनाव का सामना करना पड़ता है, तो मस्तिष्क में हाइपोथैलेमस अधिवृक्क ग्रंथियों को एड्रेनालाईन और कोर्टिसोल जैसे हार्मोन जारी करने का संकेत देता है। ये हार्मोन शारीरिक परिवर्तनों को उत्तेजित करते हैं जिन्हें तनाव प्रतिक्रिया कहा जाता है।

कारण और योगदान कारक

तनाव कई तरह के कारकों से उत्पन्न हो सकता है, जैसे:-

- पर्यावरणीय तनाव।
- मनोसामाजिक तनाव।
- जीवन की घटनाएँ।
- व्यक्तिगत कारक।
- सांस्कृतिक और सामाजिक कारक।

शारीरिक फिटनेस के परिणाम

- हृदय प्रणाली।
- प्रतिरक्षा प्रणाली।
- पाचन तंत्र।
- मस्कुलोस्केलेटल प्रणाली।

(जोन्स, आरडब्ल्यू, और ब्राउन, एसएम, 2018)

चिंता तनाव एक दैनिक और बहुआयामी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है जो दुनिया भर के लोगों को प्रभावित करती है। यह विविध रूपों और तीव्रताओं में प्रकट होती है, और कथित खतरों या तनावों के प्रति मनुष्य के सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती है। यह संपूर्ण शोध हिस्टीरिया की जटिलताओं का गहन अध्ययन करता है, जिसमें इसकी परिभाषाएँ, प्रकार, कारण, लक्षण, दैनिक जीवन पर प्रभाव, उपचार के विकल्प और व्यापक सामाजिक संदर्भ शामिल हैं। इसे भविष्य की घटनाओं, स्थितियों या खतरों की आशंका से उत्पन्न अत्यधिक आशंका, भय या भय की स्थिति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह बेचौनी की अत्यधिक और लगातार भावनाओं की विशेषता है, जो शारीरिक, भावनात्मक और संज्ञानात्मक रूप से प्रकट हो सकती है। तनाव विकारों को उनकी अवधि, तीव्रता और दैनिक कामकाज में हस्तक्षेप के आधार पर तनाव की अल्पकालिक भावनाओं से अलग किया जाता है।

मानसिक साहित्य में, चिंता को अक्सर मनोदशा संबंधी विकारों, अवसाद और अन्य संबंधित स्थितियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। हालांकि, यह अपने अद्भुत गुणों के कारण अलग स्थान पर है, जिसमें सहानुभूति तंत्रिका तंत्र की अति उत्तेजना शामिल है, जो हृदय गति में वृद्धि, तेजी से सांस लेना, मांसपेशियों में तनाव और पसीना आना जैसी शारीरिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देती है।

खेल खिलाड़ियों में तनाव आंतरिक और बाह्य दोनों गंभीर कारणों से उत्पन्न हो सकता है:

- प्रतियोगिता का तनाव।
- चोट और पुनर्वास।
- मीडिया और सार्वजनिक जांच।
- संक्रमण के चरण।
- व्यक्तिगत अपेक्षाएं।
- शारीरिक संकेत और लक्षण।
- मनोवैज्ञानिक परिणाम।

समग्र प्रदर्शन पर प्रभाव

तनाव एथलेटिक प्रदर्शन पर बहुत बड़ा प्रभाव डालता है, जिससे खिलाड़ियों की अपनी क्षमताओं को प्रभावी ढंग से निष्पादित करने की क्षमता प्रभावित होती है :

- संज्ञानात्मक हस्तक्षेप।
- शारीरिक क्षति।
- भावनात्मक विनियमन।
- समग्र प्रदर्शन तनाव।

दीर्घ-कालिक परिणाम

खिलाड़ियों में दीर्घकालिक तनाव के कारण उनकी शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और मानक कैरियर दीर्घायु पर स्थायी परिणाम हो सकते हैं।

- बर्नआउट।
- बौद्धिक स्वास्थ्य विकार।
- चोट की संभावना।
- पेशे पर प्रभाव।
- मानसिक हस्तक्षेप।
- तनाव नियंत्रण क्षमताएं।
- सामाजिक सहायता नेटवर्क।

साहित्य की समीक्षा

शोध पत्र

2024 में टॉसिसी,जी.,जर्लोनी ,वी., और नित्री, ए. द्वारा एक पीएनईआई बहुविषयक दृष्टिकोण।

खेल प्रतियोगिताओं में तनाव की स्थिति से बचने के लिए तनाव नियंत्रण महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस स्थिति का एथलीटों के अन्य मानसिक कारकों पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है, जिससे उनका आत्मविश्वास कम हो सकता है और उनके ध्यान नियंत्रण को नुकसान पहुँच सकता है। इस प्रकार, चूम्प के दृष्टिकोण से विकसित एक संकट हस्तक्षेप मॉडल की रूपरेखा तैयार की जा सकती है।

शोध पत्र

थेरेसा च्यी , फ्रैंक जिंग-हॉग लू द्वारा कथित तनाव की दोहरी भूमिका । 2018, जनवरी में। कई अध्ययनों ने तनाव-बर्नआउट संबंध की जाँच में स्मिथ (1986) के संज्ञानात्मक-भावात्मक एथलेटिक बर्नआउट संस्करण को अपनाया, जबकि कुछ ही अध्ययनों ने तनाव-बर्नआउट संबंध पर कथित तनाव की मध्यस्थता/संयमित भूमिका का परीक्षण किया।

लेख

खेल में तनाव – बिलीव परफॉर्म, रॉबिन्सन, एम. द्वारा 2013, मई 24. खेल में तनाव को महत्वपूर्ण माना गया है, जो प्रदर्शन के साथ-साथ सामाजिक कार्यप्रणाली को भी प्रभावित करता है (जोन्स एंड हार्डी, 1990)। बढ़ी हुई चिंता और बर्न-आउट ऐसे लक्षण हैं जो खेल में तनाव को प्रबंधित करने में असमर्थता के साथ-साथ आत्मसम्मान में कमी और प्रदर्शन संबंधी कठिनाइयों से जुड़े हैं। जैसे-जैसे खेल में तनाव का अध्ययन विकसित होता रहा है, अनुसंधान ने मुख्य रूप से एथलीट के अनुभव पर ध्यान केंद्रित किया है। जबकि एथलीट पर ध्यान केंद्रित करना उचित हो सकता है, यह तर्क दिया जा सकता है कि अन्य व्यक्ति भी हैं जिन्हें प्रदर्शन करना है, जैसे कि कोच। हाल के दिनों में, यह उजागर किया गया है कि कई भूमिकाएँ हैं जो कोचों को निभानी चाहिए और इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये उच्च संख्या में मांगें कोच के लिए तनाव से जुड़ी होंगी। इस वजह से, कई शोधकर्ताओं ने खेल कोचिंग की तनावपूर्ण प्रकृति पर अध्ययन किया है (गोल्ड, गिनीन, ग्रीनलीफ, और चुंग, 2002) कोचों के प्रदर्शन का आकलन अक्सर उनके एथलीटों की सफलता से किया जाता है (गॉल्ड एट अल., 2002) इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि कोच इन बढ़ती मांगों के परिणामस्वरूप तनाव का अनुभव करते हैं।

शोध पत्र

निक्सडॉर्फ, आई., फ्रैंक, आर., और बेकमैन, जे. द्वारा 2015 में जर्मन एलीट एथलीटों के बीच प्रमुख तनाव और अवसाद और क्रोनिक तनाव से इसके संबंध पर एक खोजपूर्ण अध्ययन। शोध से पता चलता है कि लगातार तनाव और विशिष्ट परेशान करने वाली घटनाएँ (जैसे चोट, असफलता) एथलीटों में अवसाद ग्रस्तता के लक्षणों से संबंधित हैं, लगातार, प्रमुख तनावों और अवसाद ग्रस्तता के लक्षणों के बीच संबंध अभी तक अज्ञात हैं। परिणाम स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य प्रमुख तनावों और अवसाद ग्रस्तता के लक्षणों और लगातार तनाव के साथ उनके संबंधों के बीच नए निष्कर्ष प्राप्त करना था।

उद्देश्य

खेल खिलाड़ियों के चिंता, तनाव एवं दबाव स्तर का विश्लेषण करना। खिलाड़ियों पर ध्वनि उपचार चिकित्सा के प्रभाव का विश्लेषण करना। ध्वनि उपचार चिकित्सा प्रदान करने के बजाय, खिलाड़ियों के चिंता, तनाव एवं दबाव स्तर पर पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव का पता लगाना।

कार्यप्रणाली

- परिकल्पना

शून्य परिकल्पना (H₀)

- खिलाड़ियों के तनाव स्तर पर ध्वनि उपचार चिकित्सा का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

वैकल्पिक परिकल्पना (H)

- खिलाड़ियों के तनाव स्तर पर ध्वनि उपचार चिकित्सा का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

नमूना

यह अध्ययन सभी लिंगों के खिलाड़ियों पर लागू है।

खिलाड़ियों की संख्या = 60

आयु	10 से कम	10 – 20	20 से ऊपर
तनाव स्तर	ए (10 से नीचे)	बी (11– 25)	सी (25 से ऊपर)
माइंड डिटॉक्स ध्वनि चिकित्सा			
कुल (संख्या)	60		

अनुसंधान डिजाइन

उद्देश्य उत्तराखंड नेशनल गेम्स 2025 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के अवसाद और प्रतिस्पर्धी खेलों के मनोविज्ञान में सुधार हेतु चिंता एवं दबाव स्तर पर माइंड डिटॉक्स ध्वनि चिकित्सा के प्रभाव का अध्ययन करना है। खिलाड़ियों के चिंता एवं दबाव पर माइंड डिटॉक्स ध्वनि चिकित्सा के प्रभाव को समझना है।

औजार (उपकरण)

इस शोध के लिए प्रयुक्त उपकरण 2014 में नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन द्वारा डॉ. विजया लक्ष्मी, डॉ. श्रुति नारायण द्वारा तैयार किया गया, द स्ट्रेस स्केल (एसएस-एलवीएनएस) है।

इस पैमाने के चार उप-पैमाने हैं, जैसे: दबाव, शारीरिक तनाव, चिंता, निराशा। इस पैमाने में कुल 40 प्रश्न हैं और प्रत्येक उप-पैमाना 3-बिंदु पैमाने पर 4 प्रश्नों पर आधारित है। उपयुक्त उत्तर के लिए 1 या 0 अंक दिए गए। इस पैमाने की सीमा हाँ, नहीं और दोनों नहीं है। इसमें नकारात्मक और सकारात्मक दोनों प्रश्न शामिल हैं और अंकन प्रश्नों पर निर्भर करता है। नकारात्मक प्रश्नों में प्रश्न 21 और 35 शामिल हैं, जबकि सकारात्मक प्रश्नों में प्रश्न 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 36, 37, 38, 39 और 40 शामिल हैं। ये सभी प्रश्न चार उप-पैमानों में विभाजित हैं। दबाव (2,9,15,16,21,22,27,28,29,32,34,35,36,38), शारीरिक तनाव (1, 3, 30, 39), चिंता (6, 8, 14,17,18,19,20, 23,25,31, 33, 37,40), और निराशा (4,5,7,10,11,12,13,24,26)। चारों उप-पैमानों की आंतरिक विश्वसनीयता की गणना क्रोनबाक के अल्फा गुणांक का उपयोग करके की गई, जो $SP = 0.79$, $SS = 0.85$ और $SA = 0.72$ हैं।

सांख्यिकीय उपकरण

सांख्यिकीय उपकरण सहसंबंध है। यह एक सांख्यिकीय माप है जो दो चरों के बीच रैखिक संबंध की शक्ति और दिशा को मापता है।

शोध के निहितार्थ

तनाव और एथलीट स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर शोध ने इस बात की महत्वपूर्ण समझ प्रकट की है कि तनाव एथलीटों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है।

सबसे पहले, शोध लगातार दिखाता है कि तनाव एथलीटों में चिंता और अवसाद के लक्षणों से जुड़ा हुआ है। इससे मनोदशा में बदलाव हो सकता है, जिससे प्रभावी काम के लिए आवश्यक स्वास्थ्य और कल्याण को बनाए रखने की उनकी क्षमता प्रभावित हो सकती है। दूसरा, खेल में पुराना तनाव एथलीटों में अवसाद और चिंता के बढ़ते स्तर से जुड़ा हुआ है। मानसिक विकार न केवल एथलेटिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं, बल्कि इलाज न किए जाने पर दीर्घकालिक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को भी बढ़ा सकते हैं।

तीसरा, तनाव का एथलीटों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, यह प्रशिक्षण और दूसरे सत्र के दौरान उनकी निर्णय लेने की क्षमता, स्तर और विचार की समग्र स्पष्टता को प्रभावित करता है। तनावग्रस्त एथलीट भटकाव और धीमी प्रतिक्रियाओं से पीड़ित हो सकते हैं सामूहिक रूप से, ये निष्कर्ष तनाव, मानसिक स्वास्थ्य और खेल के बीच परस्पर क्रिया को उजागर करते हैं, और लचीलापन बढ़ाने और एथलीटों पर चिंता एवं दबाव के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए व्यापक समर्थन और हस्तक्षेप की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

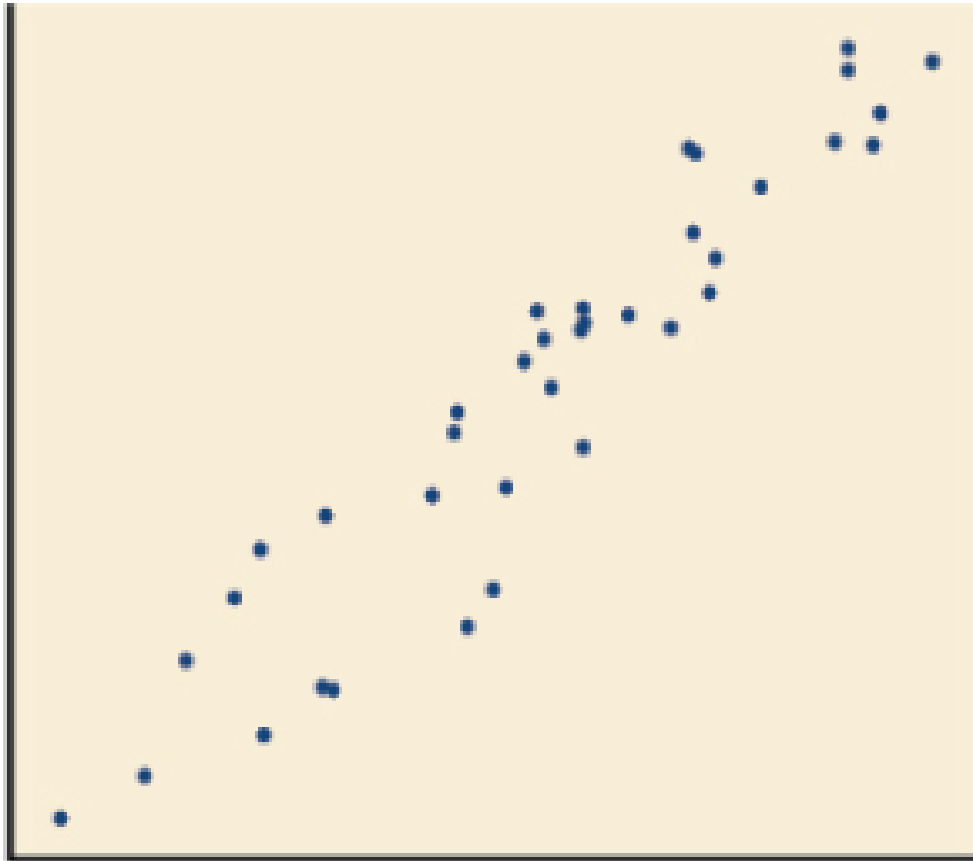
प्रश्नावली का उपयोग किया गया

डॉ. विजया लक्ष्मी, डॉ. श्रुति नारायण, नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन (2014) द्वारा तनाव पैमाना (SS&LVNS)।

डैनियल गोलेमैन। (n.d.)। आत्म जागरूकता और कल्याण। <https://www.drugsandalcohol.ie/26776/1/Emotional&intelligence&questionnaire&LAL1-pdf>

परिणाम

शोध का परिणाम यह है कि वैकल्पिक परिकल्पना $r = 0.9$ (उच्च सकारात्मक) के साथ सिद्ध होती है।



“आर मान” सहसंबंध मान को इंगित करने का एक सामान्य तरीका है। अधिक विशेष रूप से, यह (नमूना) पियर्सन सहसंबंध, या पियर्सन के आर को संदर्भित करता है। ज़नमूना नोट इस बात पर जोर देने के लिए है कि आप केवल अपने पास मौजूद डेटा के लिए सहसंबंध का दावा कर सकते हैं, और आपको अपने डेटा से परे बड़े दावे करने में सावधानी बरतनी चाहिए।

आर मान 0.9 एक सकारात्मक सहसंबंध है।

एक सकारात्मक सहसंबंध है, यानी एक चर में वृद्धि दूसरे चर में वृद्धि की ओर ले जाती है। एक चर में कमी से दूसरे चर में कमी देखी जाएगी।

उपर्युक्त परिणामों के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि वैकल्पिक परिकल्पना (H1) का समर्थन किया गया था, और हमने शून्य परिकल्पना (H0) को सफलतापूर्वक खारिज कर दिया, अर्थात्; खेल खिलाड़ियों के तनाव स्तर और भावनात्मक स्वास्थ्य के बीच कोई संबंध नहीं है।

परिणाम

शोध का परिणाम यह है कि वैकल्पिक परिकल्पना – 0.6 के R मान के साथ सिद्ध होती है। चरों के बीच एक मजबूत रैखिक संबंध होता है। ऋणात्मक R मान एक ऋणात्मक सहसंबंध दर्शाते हैं, जहाँ एक चर के मान बढ़ने की प्रवृत्ति होती है जबकि दूसरे चर के मान घटते हैं। प्रतिगमन विश्लेषण तैयार करने से आपको स्वतंत्र चर के आश्रित चर पर पड़ने वाले प्रभावों का पूर्वानुमान लगाने में मदद मिलती है।

एक रैखिक प्रतिगमन मॉडल का उपयोग उन चरों के बीच संबंध दर्शाने के लिए किया जाता है जो एक दूसरे के समानुपाती होते हैं। इसका अर्थ है कि आश्रित चर स्वतंत्र चर के साथ बढ़ता/घटता है। प्रतिगमन विश्लेषण में R को सहसंबंध गुणांक कहा जाता है और इसे एक स्वतंत्र और आश्रित चर के बीच सहसंबंध या संबंध के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह -1 से 1 तक होता है। उपरोक्त परिणामों के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि वैकल्पिक परिकल्पना (H1) का समर्थन किया गया था, और हमने शून्य परिकल्पना (H0) को सफलतापूर्वक खारिज कर दिया था: चिंता एवं दबाव स्तर पर माइंड डिटॉक्स ध्वनि चिकित्सा के प्रभाव का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है।

निष्कर्ष

एथलीटों में चिंता एवं दबाव स्तर पर माइंड डिटॉक्स ध्वनि चिकित्सा के प्रभावों की जांच के लिए कुछ दिशानिर्देशों को ध्यान में रखा जा सकता है। सबसे पहले, बड़े नमूनों और नियंत्रित समूहों के साथ कड़ाई से डिजाइन किए गए प्रयोग अनुसंधान परिणामों की विश्वसनीयता और वैधता बढ़ा सकते हैं। यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों (आरसीटी) का उपयोग प्लेसबो या परंपरागत तनाव प्रबंधन तकनीकों के साथ ध्वनि चिकित्सा की उचित तुलना की अनुमति देगा। इसमें ध्वनि की आवृत्ति, अवधि और प्रकार की जांच करना शामिल है।

सुझाव

एथलीटों में चिंता एवं दबाव पर ध्वनि चिकित्सा के प्रभावों पर शोध के लिए कुछ सुझावों पर विचार किया जा सकता है। पहला, बड़े नमूनों और नियंत्रण समूहों के साथ कठोर डिजाइन प्रयोग शोध परिणामों की विश्वसनीयता और वैधता बढ़ा सकते हैं। यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों (आरसीटी) के उपयोग से ध्वनि चिकित्सा की तुलना प्लेसबो या पारंपरिक तनाव प्रबंधन तकनीकों से की जा सकेगी।

इसमें ध्वनियों की आवृत्तियों, अवधियों और प्रकारों (जैसे, द्विकर्णीय ताल, विशिष्ट संगीत) की जाँच शामिल है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि तनाव कम करने और खेल केंद्र से उबरने में कौन सी ध्वनियाँ सर्वोत्तम हैं। दीर्घकालिक अध्ययन भी दीर्घकालिक उपचार के लाभों को प्रकट कर सकते हैं। तनाव कम करने और शरीर को अनुकूलित करने के लिए कोर्टिसोल के स्तर, हृदय गति में परिवर्तन और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया जैसे शारीरिक संकेतकों की निगरानी की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग जैसी न्यूरोइमेजिंग तकनीकें तनाव प्रबंधन पर ध्वनि के चिकित्सीय प्रभावों के अंतर्निहित तंत्रिका प्रभावों को प्रकट कर सकती हैं। व्यक्तित्व, तनाव प्रबंधन तकनीकों के पूर्व अनुभव और विशिष्ट व्यायाम आवश्यकताओं जैसे कारक ध्वनि चिकित्सा की प्रभावशीलता को प्रभावित कर सकते हैं। इन व्यक्तिगत अंतरों को दूर करने के लिए निर्णय लेने से बहु-जातीय एथलीटों के लिए परिणामों और उपयोगिता में सुधार हो सकता है। प्रभावशीलता, स्वीकृति और कथित प्रभाव की धारणाओं को समझने से अधिक प्रभावी हस्तक्षेप योजनाओं और नेतृत्व के विकास में मदद मिल सकती है। चिंता एवं दबाव कम करने और स्वास्थ्य में सुधार लाने का ज्ञान।

सीमाएँ

एथलीटों में चिंता एवं दबाव पर ध्वनि चिकित्सा के प्रभावों पर शोध में कई महत्वपूर्ण सीमाएँ हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। सबसे पहले, अधिकांश मौजूदा अध्ययनों में आमतौर पर मजबूत प्रयोगात्मक डिजाइनों का अभाव होता है, जैसे कि बड़े नमूना आकार और पर्याप्त नियंत्रण समूहों वाले यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ट्रब)। यह ध्वनि चिकित्सा और चिंता एवं दबाव कम करने के लाभों के बीच संबंध स्थापित करने की क्षमता को सीमित करता है, साथ ही विभिन्न खेलों और टीमों के लिए निष्कर्षों को सामान्यीकृत करने की क्षमता को भी सीमित करता है। अध्ययनों के बीच अंतर तुलना और व्याख्या को प्रभावित करते हैं। प्रयुक्त ध्वनि का प्रकार और आवृत्ति, बोलने का समय और आवृत्ति, और उपचार प्रदान करने वाले चिकित्सक की व्यावसायिकता जैसे कारक भिन्न हो सकते हैं।

विश्लेषण और चर्चा

खिलाड़ियों में चिंता एवं दबाव के स्तर पर ध्वनि उपचार के प्रभाव पर किए गए अध्ययन समग्र स्वास्थ्य प्रथाओं और खेल मनोविज्ञान के एक रोमांचक प्रतिच्छेदन का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस क्षेत्र में किए गए अध्ययनों ने आशाजनक परिणाम दिखाए हैं, जो दर्शाते हैं कि ध्वनि स्नान, ट्यूनिंग फोर्क और संगीत चिकित्सा जैसी ध्वनि पुनर्प्राप्ति तकनीकें एथलीटों में कथित चिंता एवं दबाव को काफी कम कर सकती हैं। माना जाता है कि ये उपचार प्रक्रियाएँ उन तंत्रों के माध्यम से काम करती हैं जिनमें विश्राम प्रतिक्रियाएँ, स्वायत्त चिंता तंत्र का मॉड्यूलेशन और तनाव कम करने के लिए अनुकूल एक शांत शारीरिक स्थिति का निर्माण शामिल है। ध्वनि पुनर्प्राप्ति सत्रों के बाद एथलीट अक्सर मनोदशा, विश्राम और भावनात्मक स्वास्थ्य में व्यक्तिपरक सुधार दर्ज करते हैं, जो बेहतर उपचार और प्रदर्शन तत्परता में भी परिवर्तित हो सकता है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र विकसित हो रहा है, भविष्य के अध्ययनों के लिए इन प्रभावों के अंतर्निहित विशिष्ट शारीरिक और मानसिक तंत्रों में गहराई से जाना, और साक्ष्य आधार को मजबूत करने के लिए अध्ययनों में कार्यप्रणालियों का मानकीकरण करना महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष

निष्कर्ष अध्ययन के निष्कर्षों, निहितार्थों, सीमाओं और संभावित अनुप्रयोगों का सारांश प्रस्तुत करता है। आप निष्कर्ष की संरचना इस प्रकार कर सकते हैं: ध्वनि उपचार चिकित्सा ने खिलाड़ियों में चिंता एवं दबाव के स्तर को कम करने में आशाजनक परिणाम दिखाए हैं। अध्ययन में पाया गया कि ध्वनि उपचार के नियमित सत्र, जिनमें ध्वनि स्नान, ट्यूनिंग फोर्क या संगीत चिकित्सा जैसी तकनीकें शामिल हैं, ने कथित तनाव के स्तर में उल्लेखनीय कमी लाने में योगदान दिया। प्रतिभागियों ने बताया कि ध्वनि उपचार सत्रों में भाग लेने के बाद वे अधिक आराम महसूस कर रहे थे, मांसपेशियों में तनाव कम हुआ और उनकी समग्र भलाई में सुधार हुआ। ये निष्कर्ष बताते हैं कि ध्वनि उपचार चिकित्सा खिलाड़ियों में तनाव प्रबंधन के लिए एक लाभकारी सहायक हस्तक्षेप हो सकती है। अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में ध्वनि उपचार को शामिल करके, एथलीट अपनी लचीलापन बढ़ा सकते हैं, तीव्र शारीरिक परिश्रम से उबरने में सुधार कर सकते हैं, और दबाव में भी सर्वोत्तम प्रदर्शन बनाए रख सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन। (2013)। मानसिक विकारों का निदान और सांख्यिकीय मैनुअल (5वां संस्करण)। अमेरिकन साइकियाट्रिक पब्लिशिंग। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एनडी)। तनाव। 16 जुलाई, 2024 को <https://www.apa-org/topics/stress> से लिया गया।
2. बैडेलो, बी., और माइकेलिस, एस. (2015)। 21वीं सदी में चिंता विकारों की महामारी विज्ञान। डायलॉग्स इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंस, 17 (3), 327–335।

3. <https://doi-org/10-31887/DCNS-2015-17-3/bbandelow>
4. मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलों के लाभ । (2024, 26 फरवरी)।
5. वेबएमडी। <https://www-webmd-com/mental&health/benefits&of&sports&for&mental&health>
6. डैनियल गोलेमैन (एनडी)। आत्म-जागरूकता और कल्याण।
7. https://www-drugsandalcohol-ie/26776/1/Emotional_intelligence_questionnaire&LAL1-pdf
8. डेविड विलियम कॉन्ट्रेरास, मेगन डी. ग्रैनविस्ट (2023, नवंबर)। छात्र-एथलीटों में तनाव, खेल संबंधी चिंता, न्यूरोटिसिज्म और इससे निपटने की क्षमतारू रोगी के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव ।
- 9- <https://meridian-allenpress-com/jat/article/58/9/733/493278/Stress&Sport&AnUity&Neuroticism&and&Coping&in>
10. डेविस, एम., एशेलमैन, ई.आर., और मैके, एम. (2019)। रिलैक्सेशन और स्ट्रेस रिडक्शन वर्कबुक (7वां संस्करण)। न्यू हार्वर्ड पब्लिकेशंस।
11. डॉ. विजया लक्ष्मी, डॉ. श्रुति नारायण (2014)। तनाव पैमाना (एसएस-एलवीएनएस)। राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम।
12. जोन्स, आरडब्ल्यू और ब्राउन, एसएम (सं.) (2018)। खेल मनोविज्ञानरू तनाव, मुकाबला और प्रदर्शन (तीसरा संस्करण)। रूटलेज।
13. कबाट-जिन, जे. (2012)। शुरुआती लोगों के लिए माइंडफुलनेसरू वर्तमान क्षण और अपने जीवन को पुनः प्राप्त करना . साउंड्स ट्रू।
14. मल्लिका शर्मा, डॉ. विकास पुनिया (एनडी)। टीम और व्यक्तिगत किशोर एथलीटों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और तनाव पर एक तुलनात्मक अध्ययन।

परिशिष्ट

15. प्रयुक्त पहली प्रश्नावली
16. डॉ. विजया लक्ष्मी, डॉ. श्रुति नारायण (2014)। तनाव पैमाना (एसएस-एलवीएनएस)। राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम ।

